R.N.I. No. HARHIN/2008/26946

नौकरी दर्पण

साप्ताहिक

4 एंज्वॉयमेंट-अर्निंग विद लर्निंग

वर्ष : 6 अंक : 21 जीन्द रविवार, 20 अप्रैल से 26अप्रैल 2014 पृष्ठ : 4 मूल्य : 6 रुपये हरियाणा,दिल्ली व राजस्थान में प्रसारित E-mail : naukridarpan@gmail.com

एडाप्टिबिलिटी मैनेजमेंट

जब करना हो मैनेजरियल चेंज

कई बार कॉम्पिटिशन में बने रहने के लिए या किसी और कारण से किसी कंपनी या ऑर्गेनाइजेशन के मैनेजरियल प्रैक्टिस में चेंजेज करने पड़ते हैं। इससे कई टीम मेंबर्स के मनोबल प्रभावित होते हैं और वो चेंजेज को अपनाने को तैयार नहीं होते। लेकिन एडाप्टिबिलिटी मैनेजमेंट के साथ मैनेजर्स आसानी से बदलाव कर सकते हैं।

इन दिनों बिजनेस और मैनेजमेंट के क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। इसे देखते हुए कॉम्पिटिशन में बने रहने और आगे बढ़ने के लिए इन बदलावों के लिए तैयार रहना जरूरी है। वर्कप्लेस पर किसी तरह के चेंजेज के लिए मैनेजर्स को खुद को और अपनी टीम को इसे अपनाने के लिए तैयार करना चाहिए। ऐसा एडाप्टिबिलिटी मैनेजमेंट के माध्यम से किया जा सकता है। जब भी किसी कंपनी या ऑर्गेनाइजेशन में मैनेजरियल प्रैक्टिस की तर्ज पर किसी तरह का कुछ परिवर्तन किया जाता है तो टीम के कई मेंबर्स खुद को असहज महसूस करते हैं और इसका विरोध करते हैं। इस स्थिति में मैनेजर्स को टीम मेंबर्स को कंविंस करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। लेकिन जो मैनेजर्स एडाप्टिबिलिटी मैनेजमेंट का फंडा अपनाते हैं, वे इसमें सफल हो जाते हैं।

इंप्रेसिव कम्युनिकेशन

जब भी किसी मैनेजरियल प्रैक्टिस में चेंज करने की जरूरत हो तो एक मैनेजर को चाहिए कि वह उसे तत्काल प्रभाव से लागू न करे। ऐसा करने के पहले उसे अपने टीम मेंबर्स को ग्लोबल प्रैक्टिस की जानकारी दे। इसके तहत मैनेजर को अपनी टीम को बताना होगा कि ऑर्गेनाइजेशन के मैनेजमेंट टास्क में किस तरह का बदलाव किया जा रहा है।

साथ ही यह भी बताना होगा इसमें टीम मेंबर्स का किस तरह का कांट्रिब्यूशन होगा और इससे उन्हें कितना फायदा होगा? इस तरह जब मेंबर्स को पता चलेगा कि इस बदलाव से उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि फायदा होगा तो वह आगे बढ़कर इस बदलाव को स्वीकार करेंगे। इससे मैनेजर का काम आसान हो जाएगा।

क्रिएट करें पॉजिटिव एंवॉयरमेंट

जब कभी भी किसी ऑर्गेनाइजेशन में बड़ा चेंज आता है तो टीम मेंबर्स का मनोबल कमजोर पड़ने लगता है। उन्हें लगता है कि इस बदलाव के कारण कहीं उन्हें साइडलाइन तो नहीं कर दिया जाएगा?

ऐसी स्थिति में मैनेजर्स की रिस्पॉन्सिबिलिटी होती है कि वे अपनी टीम में पॉजिटिव एंवॉयरमेंट क्रिएट करें। अपने डिसिजंस में ट्रांसपेरेंसी रखें। इस तरह के चेंजेज से होने वाले डेवलपमेंट के बारे में मेंबर्स को बताएं। साथ ही उनसे हेल्प भी लें। इससे मेंबर्स बदलाव की प्रक्रिया से पूरी तरह वाकिफ हो जाएंगे और अपने मैनेजर पर बिलीव करने लगेंगे। इसके साथ ही वो चेंजेज से होने वाले बेनिफिट को समझ पाते हैं।

इससे उन्हें लगता है कि उनसे कुछ भी छिपाया नहीं जा रहा है। इसका फायदा यह होता है कि खुद मेंबर्स भी चेंजेज के लिए नए-नए तरीके सुझाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है, जब टीम मेंबर्स मैनेजर से बेहतर उपाय सोच लेते हैं और ऑर्गेनाइजेशन का फायदा हो जाता है। इस तरह के म्युचुअल सपोर्ट से काम आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

लीडरशीप क्वालिटी

किसी भी ऑर्गेनाइजेशन के मैनेजरियल टास्क में बदलाव लाने के लिए तथा इसे प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए टीम का सपोर्ट जरूरी होता है। इस सपोर्ट के लिए मैनेजर्स को अपनी लीडरशिप क्वालिटी का उपयोग करना होता है। उन्हें टीम को बताना होता है कि जिस चेंज की बात हो रही है, उसमें मैनेजर्स सबसे आगे रहेंगे और टीम मेंबर्स उसे फॉलो करेंगे। इससे टीम का कांन्फिडेंस बढ़ता है और वह खुशी-खुशी चेंजेज को अपनाते हैं।

समझदारी से करें हैंडल

सफल मैनेजर वही होता है, जो बदलाव की प्रक्रिया को मॉनिटर करते हुए इसे धीरे-धीरे एग्जिक्यूट करता है। इस प्रोसेस में देर जरूर लगती है लेकिन बाद के सारे हर्डल्स दूर हो जाते हैं। इसके लिए जरूरी है कि टीम मेंबर्स की योग्यता और क्षमता के अनुसार उन्हें टास्क दें।

ऐसे टास्क को एग्जिक्यूट करने से टीम मेंबर्स को महसूस होगा कि उनकी एबिलिटी के अनुसार उन्हें टास्क दिया गया है। इससे उन्हें अपनी इंपॉर्टेंस पता चलेगी और वे खुशी-खुशी अपने नए टास्क को एडॉप्ट कर लेंगे। इस तरह इंटेलिजेंट वे में चीजों को हैंडल करने से टारगेटेड टास्क को एग्जिक्यूट करने में आसानी होती है और टीम मेंबर्स बिना किसी विरोध के उसे एडॉप्ट कर लेंगे।

{ एडमिशन एलर्ट }

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
अंतिम तिथि: 14 मई, 2014
कोर्स : विविध कोर्स
योग्यता : वेबसाइट देखें।
आवेदन पत्र : आवेदन पत्र के लिए 500 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट, जो कि एफडीडीआई के पक्ष में, नई दिल्ली में देय हो, एफडीडीआई के नोएडा, छिंदवाड़ा, गुना, रोहतक, रायबरेली आदि कैंपस में कोरियर से भेजें।
पता : एफडीडीआई, ए-10/ए, सेक्टर 24, नोएडा 201301
फोन : 0120 4500152
वेबसाइट : www.fddiindia.com

रेवा यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
अंतिम तिथि : जून, 2014
कोर्स : मास्टर कोर्स और ग्रेजुएट कोर्स (कंप्यूटर साइंस और आईटी में)
योग्यता : वेबसाइट देखें
आवेदन पत्र : आवेदन पत्र के लिए 750 रुपए का डिमांड ड्रॉफ्ट, जो कि रेवा यूनिवर्सिटी के नाम पर देय हो, इस पते पर भेजें।

पता : रेवा यूनिवर्सिटी, रुक्मिणी नॉलेज पार्क, कट्टिगेनाहल्ली, येलाहंका, बेंगलुरु- 560064
फोन : 91 80 39354444, 65687563/64/65
वेबसाइट : www.reva.edu.in

राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर
अंतिम तिथि : 21 अप्रैल, 2014
कोर्स : पीएचडी कोर्स
योग्यता : वेबसाइट देखें।
आवेदन पत्र : आवेदन पत्र के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (एकेडमिक अफेयर्स), एकेडमिक सेक्शन, एनआईएसईआर, भुवनेश्वर के पास पोस्ट से प्रार्थना पत्र भेजें। प्रार्थना पत्र के साथ 40 रुपए का टिकट लगा ए4 साइज, 21 गुण 30 सेमी का स्वपता लिखा लिफाफा इस पते पर भेजें। आवेदन पत्र वेबसाइट से भी डाउनलोड कर सकते हैं।
पता : राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, भौतिकी कैंपस संस्थान, सचिवालय मार्ग, पोस्ट-सैनिक स्कूल, भुवनेश्वर 2304070
फोन : 0674 2304000
वेबसाइट : www.niser.ac.in

(विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संबंधित संस्थान की वेबसाइट देखें।)

वीडियो रिज्यूम

बनें स्मार्ट कैंडिडेट

अगर आप चाहते हैं कि जॉब ज्वाइन करने से पहले ही एंप्लॉयर पर अपना इंप्रेशन अच्छा बनाएं तो इसके लिए कुछ स्मार्ट तरीके अपनाने होंगे। इनमें से ही एक है प्रिंटेड के बजाय वीडियो रिज्यूम। विशेषकर एमएनसीज में इसका चलन बढ़ रहा है। कैसे तैयार करें अपना वीडियो रिज्यूम जानिए।

एक कहावत है-फर्स्ट इंप्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन। आपको कहीं भी यदि नौकरी के लिए अप्लाई करना होता है तो आप रिज्यूम भेजते हैं। इसलिए रिज्यूम को आकर्षक बनाने का प्रयत्न हर कोई करता है। रिज्यूम का स्वरूप समय और क्षेत्र के साथ बदलता रहा है। अब एंप्लॉयर पर अच्छा इंप्रेशन जमाने के लिए वीडियो रिज्यूम का चलन शुरू हुआ है।

कैसे बनाएं वीडियो रिज्यूम

वीडियो रिज्यूम के अंतर्गत आपको एक वीडियो बनानी होगी, जिसमें आपको खुद को ऐसे प्रजेंट करना होगा जैसे इंटरव्यू के दौरान करते हैं। इसके अलावा इस वीडियो में खुद के बारे में जानकारी, अपनी एजुकेशनल और प्रोफेशनल क्वालिफिकेशन, अपना पिछला एक्सपीरियंस आदि सभी कुछ शेयर करना होगा। इसमें वो समस्त इंफॉर्मेशंस होती हैं, जो आप एक नॉर्मल रिज्यूम में बताते है, लेकिन यहां वीडियो रिज्यूम में आप एचआर से लाइव होते हैं। इसलिए वीडियो रिज्यूम बनाने से पहले अपना ड्रेसिंग सेंस और खुद की बॉडी लैंग्वेज का ध्यान भी आवश्य रखें। वीडियो को आप अपने वीडियो रिज्यूम के तौर पर कहीं भी अप्लाई कर सकते हैं। वीडियो को ऐसे फॉरमेट में सेव करें, जो आसानी से खुल सके और फाइल का साइज भी कम रहे।

रखें ध्यान

- ✓ रिज्यूम को ज्यादा बड़ा ना बनाएं।
- ✓ 2 से 4 मिनट में ही अपनी सभी बातें खत्म कर दें।
- ✓ वीडियो रिज्यूम बनाते वक्त सीधे कैमरे की ओर देखें।
- ✓ रिज्यूम की शुरुआत खुद के बारे में बताने से शुरू करें।
- ✓ एक ही भाषा का इस्तेमाल करें।

पड़ता है अच्छा प्रभाव

वीडियो रिज्यूम भेजकर आपका प्रभाव अच्छा पड़ता है। क्योंकि जो व्यक्ति वीडियो रिज्यूम भेज रहा है, कंपनी के रिक्रूटर्स उसकी पर्सनालिटी और बॉडी लैंग्वेज को भी वाच कर लेती है। इसके अलावा आप भी जो बातें लिखकर नहीं समझा सकते वह वीडियो रिज्यूम में ज्यादा बेहतर तरीके से बता सकते हैं। इससे जॉब मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। आजकल एमएनसीज कंपनियों में वीडियो रिज्यूम को प्राथमिकता दी जा रही है, क्योंकि विदेशों से डील करने वाली एमएनसी कंपनियां वीडियो रिज्यूम के माध्यम से तीव्र गति से व्यक्ति को परख कर ऑनलाइन इंटरव्यू के माध्यम से चुनाव कर लेती हैं।

फ्रेशर्स के लिए है फायदेमंद

वीडियो रिज्यूम फ्रेशर्स के अलावा उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जिनको कोई एक्सपीरियंस नहीं है। ऐसे लोगों की पर्सनालिटी और बॉडी लैंग्वेज मायने रखती है। ऐसे में वीडियो रिज्यूम की मदद से आप अपनी पर्सनालिटी और बॉडी लैग्वेंज से कंपनी को अवगत करा सकते हैं। फ्रेशर्स की कम्युनिकेशन स्किल भी वीडियो रिज्यूम के माध्यम से देखी जा सकती है।

एक्सपर्ट व्यू

वीडियो रिज्यूम है लेटेस्ट कॉन्सेप्ट

आरुष कंसल्टेंसी के एमडी आरुणेश कुमार बताते हैं, 'एमएनसीज में वीडियो रिज्यूम एक नया कॉन्सेप्ट है। वीडियो रिज्यूम की मदद से इंटरव्यू का फर्स्ट राउंड भी सामान्यतः नहीं लिया जाता है और ऐसे कैंडिडेट को सीधे सेकेंड राउंड के लिए बुलाया जाता है। वहीं फ्रेशर्स के लिए यह बहुत कारगर साबित हुआ है। वीडियो रिज्यूम की सफलता का आकलन इसी बात से लगाया जा सकता है कि इससे जॉब मिलने की संभावनाएं 50-60 फीसदी तक बढ़ जाती हैं।'

नई जॉब और नए ऑफिस में पहला दिन का जिक्र आते ही मन में थोड़ी घबराहट आना स्वाभाविक है। लेकिन ऐसे में बेहतर होगा कि कुछ ऐसी बातों पर अमल किया जाए, जो आपके फर्स्ट-डे को बना दे परफेक्ट -डे। कैसे, जानिए।

ऑफिस में पहला दिन

सजगता+विनम्रता=शानदार आगाज

नौकरी करने वाले व्यक्ति के जीवन में एक दिन ऐसा अवश्य आता है, जब वह पहले दिन दफ्तर में काम करने के लिए जाता है। आजकल तो युवा कपड़ों की तरह जल्दी-जल्दी जॉब भी बदल रहे हैं, लेकिन हर नई जगह पर पहले दिन की घबराहट लगभग एक सी ही होती है। इसलिए यह जानना आवश्यक हो जाता है कि दफ्तर में पहले दिन की घबराहट का किस तरह से सामना किया जाए? यह जानना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हर नया व्यक्ति कार्यस्थल पर पहले दिन अपना प्रथम प्रभाव सकारात्मक बनाना चाहता है। इस संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव पर अमल करना लाभप्रद हो सकता है।

इन्हें जान लें

जब आप पहले दिन ऑफिस जाएं तो पहले पूरी तैयारी अवश्य कर लें। जो एंप्लॉई बिना तैयारी के जाता है, उसे अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार होमवर्क से संबंधित इन प्रश्नों का उत्तर अवश्य जान लें, जिन्हें संगठन में सहकर्मियों से बात करने या जो व्यक्ति नई नियुक्ति के तमाम पहलुओं को जानता है, उससे बातें करने पर हासिल किया जाता है।

- ✓ संगठन की कार्य संस्कृति किस प्रकार की है?
- ✓ प्रबंधन शैली कैसी है- हिस्सा लेने वाली, लोकतांत्रिक, तानाशाही या कार्य विभाजन वाली?
- ✓ मुख्य निर्णय लेने वाले कौन हैं?
- ✓ किन सहकर्मियों से बचकर रहना है और किनसे केवल काम संबंधी बात तक सीमित रहना है?
- ✓ अनुमानित सामाजिक व्यवहार क्या हैं और वे रास्ते कौन से हैं, जिन पर आपको बिलकुल नहीं चलना है?

चेकलिस्ट

यह एक ऐसी चेकलिस्ट है, जिसे पहली बार दफ्तर जाने वाले व्यक्ति को अवश्य अपने पास रखना चाहिए।

- ✓ नए जॉब में कार्यस्थल पर पहला माह सीखने का होता है और संगठन, उसमें काम करने वाले कर्मचारियों, सिस्टम और प्रक्रियाओं को समझने का भी। पहली वरीयता सीखना होना चाहिए। सुनें ज्यादा, बोलें कम।
- ✓ संस्थान को जितना संभव हो उतनी गहराई में जान लें।
- ✓ लोगों से मिलें। आंतरिक और बाहरी स्टॉकहोल्डरों से मुलाकात करें ताकि उनकी उम्मीदों को समझा जा सके।
- ✓ अपनी टीम को समझें। जानें कि वह एक इकाई के रूप में कैसे सफलतापूर्वक काम कर सकती हैं।
- ✓ अपने पुराने संस्थान से तुलना न करें और न ही उसके संदर्भों का बार-बार प्रयोग करें।
- ✓ पहले दिन ही अपने आपको साबित करने का प्रयास न करें। आपको नौकरी पर रखा गया है यही अपने आप में पर्याप्त है कि आप इसके योग्य हैं। अपने को साबित करने का समय दें।
- ✓ अपने नए कार्यस्थल में घुलने मिलने का प्रयास करें। मालूम करें कि विभिन्न विभाग कहां हैं, सामान्य क्षेत्र, कैफेटेरिया, मीटिंग रूम आदि किस जगह स्थित हैं।

रखें ध्यान

कुछ महत्वपूर्ण बातें ऐसी हैं, जिन्हें अकसर नजरअंदाज कर दिया जाता है। अगर इन पर ध्यान दिया जाए तो आप कार्यस्थल पर पहले दिन ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकते हैं।

- ✓ पहले दिन समय पर दफ्तर पहुंचें बल्कि बेहतर यह है कि हमेशा कुछ मिनट जल्दी ही काम पर पहुंचें।
- ✓ अपने संस्थान के बारे में अच्छी तरह खोजबीन करें। उसके उद्देश्यों के बारे में जानें और यह भी कि उसके व्यापार का तरीका क्या है और उसकी संस्कृति क्या है?
- ✓ अपने सहकर्मियों के साथ प्रोफेशनल होकर बात करें। सही शब्दों का इस्तेमाल करें और स्लेंग या देशज भाषा इस्तेमाल करने से बचें।
- ✓ नाम पद से लेकर सब कुछ लिख लें और रोजमर्रा के कार्य और टारगेट को भी लिखें।
- ✓ बेहतर है कि एचआर प्रबंधक से ऑफिस ड्रेसकोड के बारे में जान लें।
- ✓ पहले दिन आप स्वयं अपने आपको हर किसी से परिचित कराएं।

CMYK

संपादकीय

हर दिन कुछ बेहतर करने का लक्ष्य रखने से खुलेंगे सफलता के रास्ते

हमें सबसे पहले शारीरिक रूप से तंदुरुस्त होना चाहिए। यह पूरे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। हो सकता है कि आपको अपने कार्य करने के तरीके या समय को बदलने की आवश्यकता हो। उदाहारण के लिए मैं आरामदायक कुर्सी पर बैठने के साथ-साथ अपने कार्यस्थल पर अधिक प्रकाश पसंद करता हूं। मैं अपना ध्यान हटाने के लिए हर मिनट पर बाहर देखता हूं। लैपटॉप पर काफी घंटे काम करने के बाद छोटा-सा अवकाश लेता हूं। तब मैं यह भी पाता हूं कि मैं सुबह उठकर अधिक काम कर सकता हूं। दिन के समय काम में व्यवधान में हो सकता है। कुछ व्यवधान पत्नी या बच्चों से या नौकरों से होता है जो अपरिहार्य है। यदि आप घर में काम कर रहे हो तो अपने कार्य करने के समय को बदलना जबर्दस्त अंतर पैदा कर सकता है। आपका लक्ष्य प्रत्येक दिन बेहतर करने का होना चाहिए और आप स्पष्ट रहिए कि आपकी इच्छा क्या होगी अपने लक्ष्य को महसूस करने के लिए। हमारा खुद का मन और हम खुद में एक महानतम बंधन हैं। कुछ काम असंभव होता है, इस विचार और विश्वास से यदि हमने काम की शुरुआत नहीं की तो पिछड़ जाएंगे। कोई भी सार्थक काम करने के लिए हमें अपने डर का सामना करना होता है और चुनौती लेनी होती है। आप अपना जीवन इस तरह जिएं कि प्रकृति आपको अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक विशेष प्रकार की ताकत दे। अप्रिय घटना हमेशा घटेगी, इसीलिए इस अदृश्य और अनिश्चित घटना से मुकाबले के लिए एक योजना बनाइए। फिर आपने क्या योजना बनाई और वास्तव में क्या पाया, इसका लेखा-जोखा रख सकते हैं। योजनाबद्ध तरीके से काम कर आप हर घटना का आसानी से मुकाबला कर सकते हैं।

-संपादक

शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव और वित्तायुक्त सुरीना राजन ने दी हरी झंडी

दाखिले का रास्ता साफ, दो दिन बाद ड्रॉ

लंबे समय से 134-ए के तहत दाखिले के लिए राज्यभर से 40 हजार से अधिक बच्चों ने आवेदन कर दाखिला करवाने की अपील की थी।

जल्द होंगे दाखिले: शिक्षा मंत्री

पूरे मामले में राज्य की शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने कहा कि वे खुद इस मामले को प्राथमिकता के आधार पर देख रही हैं। जल्द ही बच्चों के दाखिले के लिए ड्रा निकालकर अभिभावकों को सूचित करने के लिए अइधकारियों व कर्मियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

चंडीगढ़। सूबे में 40 हजार से ऊपर गरीब बच्चों के दाखिले का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। इसके लिए मंगलवार को ड्रा निकाल दिए जाएंगे। शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव और वित्तायुक्त सुरीना राजन, डायरेक्टर चंद्रशेखर ने इस बात की पुष्टि कर दी है।

उन्होंने कहा कि गरीब बच्चों के दाखिले को लेकर विभाग काम कर रहा है, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भी हरीझंडी दे दी है। ड्रा निकालने के साथ ही बच्चों के अभिभावकों को इसकी सूचना दे दी जाएगी। यहां पर याद दिला दें कि लंबे अर्से से 134-ए के तहत दाखिले के लिए राज्यभर से 40 हजार से ऊपर परिवारों ने आवेदन देकर उनके बच्चों का दाखिला कराने की अपील की थी। इसके बाद में इस मामले में प्राइवेट स्कूल फेडरेशन की ओर से कुलभूषण शर्मा ने सीईओ हरियाणा को शिकायत करते हुए राज्य सरकार के विरुदध शिकायत कर इसका राजनीतिक फायदा उठाने के आरोप लगाए थे। उक्त मामले में आचार संहिता लगी होने की बात कहकर लटकाया जा रहा था। फेडरेशन की शिकायत को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीकांत वालगद ने खारिज कर दिया था। राज्य की शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने भी अफसरों से इस मामले को प्राथमिकता के आधार हल करने के निर्देश देते हुए फाइल मंगाई थी। अब जब शिक्षा विभाग के अफसरों ने पूरी तरह से मंथन कर लिया है, ऐसे में मंगलवार को ड्रा निकालने को लेकर हरीझंडी दे दी गई है। शिक्षा विभाग के अफसरों का कहना है कि गरीब बच्चों के दाखिले को लेकर जल्द ही कार्रवाई व ड्रा को घोषित कर दिया जाएगा।

दाखिले नहीं तो सोमवार से धरने की शुरुआत

चंडीगढ़। सूबे में गरीब बच्चों के दाखिल के मुद्दे को लेकर अब आंदोलन चला रहे वकील सत्यवीर हुडडा का कहना है कि सोमवार तक दाखिले नहीं हुए तो जिलों में धरने की शुरुआत कर दी जाएगी।। 2+5 मुद्दे जन आंदोलन की तरफ से संयोजक सत्यवीर सिंह हुड्डा का कहना है कि 28 दिन बीत जाने के बावजूद हाई कोर्ट के आदेशों की पालना करने में कोताही बरती जा रही है। निजी स्कूलों के नाम पर राजनीति कर रहे कुछ लोग प्रशासनिक अफसरों को गुमराह करने में लगे हुए हैं। हुडडा का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में सभी को अवगत करा दिया है, आने वाले दिनों में वे चुप बैठने वाले नहीं हैं। जिलों में उनकी कार्यकारिणी के लोग आंदोलन के लिए तैयार हैं। उनके साथियों रोहताश सिंहमार प्रवक्ता हरियाणा अंबेडकर संघर्ष समिति, दलबीर सिंहा, राजबीर सिंह सभी को जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

134-ए के तहत दाखिला, बच्चों से भेदभाव

नियम 134-ए के तहत मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के साथ संचालकों द्वारा किए जा रहे भेदभाव को लेकर युवा कानूनी सहायता समिति आक्रोशित हो गई है। समिति ने ऐसे संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराने की मांग को लेकर उपायुक्त, एसपी व जिला शिक्षा अधिकारी को अलग-अलग ज्ञापन सौंपे। तीन उच्च अधिकारियों को सौंपे गए ज्ञापन में समिति के प्रधान एडवोकेट राजरतन, उपप्रधान एडवोकेट नितिन वर्मा, कोषाध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र सैनी, एडवोकेट श्यामसिंह, एडवोकेट महेंद्रसिंह तथा अन्यों ने कहा है कि मान्यता प्राप्त स्कूलों में नियम 134-ए के तहत पढ़ने वाले बच्चों के साथ भेदभाव कर उन्हें मानसिक पीड़ा दी जा रही है। उन्हें अन्य बच्चों की तरह बसों में नहीं ले जाया जा रहा है, जबकि अभिभावक स्कूल बस का किराया देने पर भी राजी है। स्कूल संचालक उनसे किराया नहीं ले रहे हैं, उनका कहना है कि वे उक्त बच्चों को अन्य विद्यार्थियों के साथ बस में नहीं बिठा सकते। ज्ञापन में ऐसे स्कूल संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एक नज़र

पीजीटी हिंदी खा रहे धक्के

चंडीगढ़। हिंदी लेक्चरर चयन हो जाने के बाद भी ज्वाइनिंग नहीं होने से परेशान युवा शनिवार को भी चंडीगढ़ में इधर से उधर भटकते हुए नजर आए। इस दौरान उन्होंने पहले राज्य के मुख्य निवार्चन अधिकारी के कार्यालय में संपर्क किया और शिक्षा सदन में बैठने वाले अफसरों को भी अब भी उनकी ज्वाइनिंग नहीं होने पीड़ा बयां की। काफी संख्या में युवाओं आज भी चंडीगढ़ पहुंचे हुए थे, यहां उन्होंने राज्य की शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल के आवास पर पहुंचकर उनके स्टाफ को अपनी समस्या बताई। युवा वर्ग में अंबाला, कुरुक्षेत्र, फतेहाबाद, सिरसा, करनाल और पानीपत के पहुंचे हुए थे। इनका कहना था कि हिंदी, अंग्रेजी और इकनोमिक्स विषय के उम्मीदवारों के साथ ही चयनित हुए थे। उनकी मैन्यूअल काउंसलिंग हुई थी। 2 व तीन मार्च को होने के बाद 593 हिंदी मेल काउसिंगल को रद करते हुए दोबारा करने के लिए 5 मार्च की तारीख दी गई। युवाओं का कहना था कि उनके नियुक्ति पत्र वैबसाइट पर डाल दिये जाने की बात कही गई थी। जिनके डाले गए, उन्होंने तो स्कूलों में ज्वाइन भी कर लिया। जिनको लेटर नहीं मिला, वे दर दर की ठोकरें खा रहे हैं।

चार माह से निजी स्कूलों से बाहर : युवा वर्ग का दर्द है कि काउसिंलग के बावूजद उन्हें ज्वाइन नहीं कराया। जिन निजी स्कूलों में वे काम कर रहे थे, उसे भी बाय-बाय कर दिया है। अब सरकार उन्हें जल्द नौकरी पर ज्वाइन कराए।

रानी तालाब के पास से बाइक चोरी, मामला दर्ज

जींद। वाहन चोरों ने रानी तालाब के निकट स्थित गुरूद्वारा तेग बहादुर के बाहर से बाइक को चोरी कर लिया। शहर थाना पुलिस ने बाइक मालिक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। गुरूद्वारा तेग बहादुर निवासी गुरूविंद्र ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसने उसका बाइक गुरूद्वारा के बाहर खड़ा किया हुआ था। जब वह गुरूद्वारा से बाहर आया तो उसका बाइक वहां से गायब था। आसपास तलाशने तथा पूछताछ करने पर बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने गुरूविंद्र की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

सम्मानित

जींद। श्वेता को सम्मानित करती मुख्यध्यापिका निर्मल रोहिला। फोटो : राजेश कुमार

दसवीं ब्लॉक टॉपर सम्मानित

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई दसवीं कक्षा प्रथम समेस्टर 2014 की परीक्षा में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली रोहिला सैकेंडरी स्कूल जुलाना की छात्रा श्वेता तायल को विद्यालय द्वारा वीरवार को सम्मानित किया गया। सम्मान के तौर पर छात्रा को मोमेंटो तथा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। श्वेता ने प्रथम समेस्टर दसवीं कक्षा की परीक्षा में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जुलाना ब्लॉक में टॉप किया था। श्वेता ने कई विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह मुकाम हासिल किया। पेशे से व्यवसायी छात्रा के पिता ऋषि तायल के अनुसार उनकी बेटी आईआईटी से इंजीनियरिंग करने का सपना संजोए है। तीन भाई बहनों में मंझली श्वेता ने इस उपलब्धि का श्रेय स्टाफ तथा अपने माता-पिता को दिया है।

दस ग्राम चरस सहित युवक गिरफ्तार

जींद। शहर थाना नरवाना पुलिस ने हरी नगर से एक व्यक्ति को काबू कर उसके कब्जे से चरस बरामद की है। पुलिस ने व्यक्ति के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। शहर थाना नरवाना पुलिस हरी नगर में गश्त कर रही थी। उसी दौरान एक व्यक्ति पुलिस कर्मियों को देखकर भागने लगा। पुलिस कर्मियों ने पीछा कर युवक को धर दबोचा। तलाशी लिए जाने पर उसके कब्जे से दस ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति की पहचान चोपड़ा पत्ती नरवाना निवासी राजेश के रूप में हुई। शहर थाना नरवाना पुलिस ने राजेश के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

वर्कशॉप का किया आयोजन

उचाना। वरदे देवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें डुकेट संस्था की तरफ से अभिषेकर कुमार, विकास कुमार ने एमबैडीड, ऑटोकैड के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर कॉलेज निदेशक एसपी शर्मा, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार, वीके आहुजा मौजूद रहे।

पंजाब के चुनावी रंग में रंगे सूबे के नेता

13 सीटों के लिए 30 अप्रैल को होगा मतदान, पंजाब में महंगा रेत और माइनिंग भी चुनाव मुददा बना।

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा चुनावों के लिए 10 अप्रैल को वोट डालने वाले वोटरों को इस बार रिजल्ट के लिए लंबा इंतजार करना होगा। अभी भी लगभग एक माह (29) दिनों के इंतजार के बाद में उन्हें हारने और जीतने वाले नेताओं की किस्मत का पता लगेगा।

अब सूबे में वोट डालने के बाद लोगों में बहस लोकसभा की दस सीटों में से कांग्रेस, भाजपा और इनेलो को कितनी सीटें मिलने जा रही हैं, इस पर चल रही है। दावों में दम साबित करने के लिए कुछ लोग सट्टे भी लगाने में लगे हुए हैं। अब हरियाणा के नेताओं उनके समर्थकों की सबसे ज्यादा नजर पंजाब के लोकसभा चुनावों पर है, इसीलिए पंजाब में भी पल-पल की खबर ली जा रही है। खासतौर पर कांग्रेस और इनेलो के राजधानी चंडीगढ़ स्थित दफ्तर पंजाब के चुनावी रंग में रंगे हुए हैं। जो अहम मुददा है, वह बिल्डिंग मैटीरियल, माइनिंग और रेत बजरी के दामों में लगी आग। पंजाब में रेत बजरी, सीमेंट और बल्डिंग मैटरीयल के रेटों में लगी आग को चुनावी मुददा बनाने के लिए कांग्रेसी नेता सबसे ज्यादा उतावले नजर आ रहे हैं। कांग्रेसी नेता व पूर्व सीएम पंजाब कैप्टन अमरिंद्र भी खुद अपने चुनावी अभियान और सभाओं में इस पर बोल रहे हैं। चंडीगढ़ के चुनाव मैदान में उतरे नेता पवन बंसल और किरण खेर से लेकर आप की उम्मीदवार गुल पनाग सभी पंजाब में अपनी अपनी पार्टी के लिए वोट मांग रहें हैं। आप के उम्मीदवार अरविंद केजरीवाल पंजाब में धुआंधार प्रचार करने में लगे हुए हैं। उनके अलावा यहां पर बहुजन समाज पार्टी की नेता व पूर्व सीएम मायावती भी बुधवार को रैली करने पहुंची थीं। पंजाब में 13 सीटों पर 30 को मतदान होना है, ऐसे में सभी दिग्गज अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत के लिए जुटे हुए हैं।

बेरौनक बने हुए मंत्रियों को बंगले और दफ्तर

राजधानी में हरियाणा और पंजाब सचिवालय में अभी रौनक लौटने में लंबा वक्त लगेगा। यही कारण है कि 16 मई को ईवीएम खुलने के बाद परिणाम सामने आएंगे और आचार संहिता का प्रभाव भी खत्म हो सकेगा। फिलहाल आचार संहिता ने मंत्रियों, विधायकों, सीपीएस सभी के कदम रोक रखे हैं। हरियाणा और पंजाब सचिवालय में आम दिनों जैसी रौनक नहीं हैं। इसका सीधा सीधा कारण सूबे के राजनेताओं का चुनावी मुहिम में व्यस्त होना है। हरियाणा और पंजाब के एमएलए हास्टल भी इन दिनों खाली पड़े हुए हैं, सामान्य दिनों में यहां पर खद्दरधारी नेता और उनके समर्थकों के वाहन, काफिले यहां नजर आते हैं। सूबे में मतदान के साथ ही अब पड़ोसी राज्य पंजाब में 30 अप्रैल को मतदान की बारी है, इसमें अपने यहां से भी इनेलो, कांग्रेस व भाजपा के नेता वोट की अपील कर रहे हैं।

परिणाम से पहले ही खींचतान शुरू

चंडीगढ़। 'लोकसभा चुनाव 2014' के चुनावों का परिणाम अभी तक सामने भी नहीं आया है कि सत्ताधारी दल कांग्रेस के अंदर खींचतान और अंतरकलह साफ नजर आने लगी है। निवर्तमान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष फूलचंद मुलाना के समय से चली आ रही खींचतान लाख दावों के बावजूद उस दौर में नहीं थमी, वहीं अब नवनियुक्त अध्यक्ष अशोक तंवर के सामने भी यह बड़ी चुनौती बनी हुई है।

लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी के अदंर कलह व अपने ही प्रत्याशियों की खिलाफत करने जैसे मामलों में कांग्रेस 'हाईकमान' को पत्र लिखे जा चुके हैं। हिसार में कांग्रेस की टिकट पर भाग्य आजमाने उतरे प्रो. संपत सिंह तो पहले ही राज्य कांग्रेस के पुनर्गठन की मांग सार्वजनिक तौर पर कर चुके हैं। रिजल्ट आने से पहले ही उन्होंने फेसबुक पर अपनी टिप्पणी में साफतौर पर कहा था कि सीट पर दो राजनीतिक परिवारों की फिक्सिंग के कारण चुनाव नहीं बचा सके हैं। पूर्व मंत्री व विधायक की इस टिप्पणी के बाद प्रदेश में कांग्रेस के हिसार सीट खो देने की घोषणा परिणाम से पहले हो चुकी है।

वाल्मीकि के नाम पर विरोध

अंबाला सुरक्षित सीट पर राजकुमार वाल्मीकि के नाम की घोषणा होते ही विरोध शुरू हो गया था। वाल्मीकि को मुख्यमंत्री हुडडा खेमे में माना जाता है। अंबाला सीट से सांसद और केंद्रीय मंत्री रहीं सैलजा पर वाल्मीकि ने भी चुनाव लड़ने से पहले हमले किये थे, बाद में सैलजा राज्यसभा में चली गईं और वाल्मीकि टिकट लेने में कामयाब रहे। ऐसे में सैलजा समर्थकों का वाल्मीकि के पक्ष में आना नामुमकिन था। चुनाव के दौरान वही हुआ, जिसका डर था। लोकसभा चुनावों के दौरान कुमारी सैलजा ने अंबाला में वाल्मीकि के लिए वोट की अपील नहीं की, उनका दो टूक जवाब है कि उन्हें बुलाया ही नहीं गया। ऐसे में सैलजा समर्थकों ने भी चुनाव के दौरान दूरी बनाए रखी। चुनाव परिणाम आने से पहले ही वालमीकि ने राज्य के कांग्रेस प्रभारी शकील अहमद को शिकायत भेज दी है। कुरुक्षेत्र में कार्यक्रम करने के बाद मोदी की तारीफ करने के बाद उन्होंने कांग्रेस को अलविदा कर दिया था। पंचकूला की मेयर उपेंद्र कौर और उनके पति के विरुद्ध भी शिकायत ठोककर आरोप लगाए हैं। बहरहाल, कांग्रेस की खींचतान और परिणाम आने से पहले ही प्रत्याशियों द्वारा हाईकमान को शिकायती पत्र भेजने के पीछे एक कूटनीति भी बताई जा रही है। जानकारों का यह भी कहना है कि परिणाम विपरीत आने के हालात में हार का ठीकरा इन लोगों के सिर पर फोड़ा जा सकेगा।

श्रुति सीट पर भी रहा कलह

भिवानी सीट से सांसद श्रुति चौधरी सीट पर भी चुनौतियां कम नहीं थी। यहां पर खींचतान और कलह को लेकर खुद मंत्री किरण चौधरी व श्रुति परेशान रहीं। चुनाव के ठीक पहले उनके धुर विरोधी रहे कांग्रेसी विधायक व सीपीएस रहे धर्मबीर ने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया, इसके साथ ही वे भाजपा में शामिल होकर टिकट ले आए। ऐसे में धर्मबीर खेमे के सभी कांग्रेसियों ने भी अपने नेता का साथ दिया। खींचतान और कलह को लेकर श्रुति चौधरी ने भी हाईकमान को पत्र लिखकर भीतरघात करने वालों की जानकारी हाईकमान को भेज दी है।

अनुशासनहीनता को जगह नहीं

चुनाव के दौरान पार्टी के लिए काम नहीं करने और पार्टी प्रत्याशियों का विरोध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। संगठन के खिलाफ काम करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। शिकायतों पर सख्त कदम उठाएगी।

-अशोक तंवर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हरियाणा

संपत पर भी उठे सवाल

संपत सिंह की ओर से प्रदेश कांग्रेस संगठन और सरकार में तालमेल को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने दूसरे संगठनों के कामकाज के तरीकों के साथ ही अपनी कमजोरी को भी खुलकर बयां किया है। दूसरी तरफ उनकी बयानबाजी के तुरंत बाद में जेपी ग्रुप ने उनको पुराने लोस चुनाव की याद दिलाई थी। जेपी की हार के दौरान संपत के रोल को लेकर सवाल खड़े हुए। प्रो. संपत सिंह के समर्थन में होने वाली सभाओं में भी कांग्रेस की फूट उजागर हुई थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह ने भी अपने भाषण के दौरान उन्हें कम बोलने की सलाह देने पर आपति उठाई थी।

हमलावरों की गिरफ्तारी जल्द हो

जींद। डीएसपी से मिलने आए कालोनीवासी। फोटो: राजेश कुमार

न्यू कृष्णा कालोनी के लोग डीएसपी से मिले

जींद। घर में घुसकर परिवार पर हमला करने के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को न्यू कृष्णा कालोनी के लोग डीएसपी धर्मबीर से मिले। लोगों ने पुलिस पर आरोपियों को जानबूझकर गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। जहां पर डीएसपी ने आरोपियों को जल्द से जल्द आरोपियों को गिर तार करने का आश्वासन दिया। न्यू कृष्णा कालोनी निवासी संदीप डीएसपी को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी निर्मला के साथ विवाद चल रहा है। छह अप्रैल को निर्मला अपने मायका पक्ष के लोग के साथ हथियारों से लैस होकर उनके घर में घुस गए और उनके परिवार पर हमला कर दिया। जिसमें कई लोगों को चोट आई थी। पुलिस ने उस समय सफीदों निवासी धीरज, सुषमा, राजबीर, निर्मला, बालकिशन तथा तीन-चार अन्य लोगों के खिलाफ अवैध हथियार के बल पर घर में घुसकर हमला करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया था। लेकिन पुलिस को मामला दर्ज किए हुए लगभग दस दिन बीत जाने के बावजूद शहर थाना पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। डीएसपी धर्मबीर ने इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

www.harton.org
hartron
Admission Notice
Latest IT courses for a excellent career & Job-oriented
Enroll with Hartron today
Hartron offering courses in Software, Hardware & Networking
HDCS | DCA | HDFA
HDHN | HDWT | PGDCA
• Hartron Diploma in Computer Software (HDCS)
• Diploma in Computer Application (DCA)
• Hartron Diploma in Financial Accounting (HDFA)
• Hartron Diploma in Hardware & Networking (HDHN)
• Hartron Diploma in Web Technology (HDWT)
• Post Graduate Diploma in Computer Application (PGDCA)
SHORT TERM COURSES
*Office Automation, *Financial Accounting, Tally, C#, Unix/window NT/Linux, *C/C++ with OOPS, *Oracle, *ASP.NET, VB.Net, *Visual Basic, *Core Java, *DTP, *Advance Java, *Hardware & Networking, *Autocad, *Web Designing, *Web Development, *Database Administrator, Project work, etc.
COACHING AVAILABLE
HTET | NDA | SSC | BCA | MCA
CTET | CDS | BBA | MBA
BATCHES START | AUTOCAD | PRO-E | CATIA
HARTRON WORKSTATION
(A Haryana Govt. Undertaking)
DIKSHA INSTITUTE OF IT, IST FLOOR NILI KOTHI, JHAJJAR CHUNGI CHOWK, ROHTAK
PH. 01262-249521, 8929411222, 9896382696

जींद। गांव गुरथली खेतों में आग से जली फसल। फोटो: राजेश कुमार

दस एकड़ गेहूं की फसल जली

जींद। गांव गुरथली खेतों में वीरवार सुबह आग भड़क उठी। जिसमें लगभग दस एकड़ गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया। मगर तब तक चार किसानों की लगभग 10 एकड़ गेहूं की फसल जल कर राख हो चुकी थी। खेतों में आग कैसे भड़की इसके कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। गांव गुरथली निवासी भीरा राम के खेत में वीरवार सुबह आग भड़क उठी। जिसने कुछ ही क्षण ने विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा ने आग में घी का काम किया और आग लगातार फैलती चली गई। खेतों में लगी आग को देख कर काफी संख्या में ग्रामीण ट्रैक्टर तथा हैरो लेकर खेतों में पहुंच गए और आग पर काबू पाने की कोशिश की। ग्रामीणों ने आग को आगे बढ़ने से रोकने के लिए हैरो की सहायता से खड़ी फसल की जुताई कर उसे रोक लिया। इसी दौरान घटना की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया।

मगर तब तक भीरा की तीन एकड़, गुरुवचन की दो एकड़, भीमा की दो एकड़, गांव जुलहेड़ा निवासी कर्मसिंह की तीन एकड़ गेहूं की खड़ी फसल जल कर राख हो चुकी थी। किसानों ने बताया कि उनकी छह माह की मेहनत कुछ ही क्षणों में उनकी आंखों के सामने समाप्त हो गई।

जींद। प्रतियोगिता में विजेता रहे छात्र। फोटो: राजेश कुमार

संस्कृत ज्ञान होना जरूरी

जींद। जिलेभर में शनिवार को निजी स्कूलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। होली हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंतर्सदनीय प्रतियोगिता के तहत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों न उचित उच्चारण के साथ अपनी प्रस्तुति दी। छठी कक्षा के वी हुई प्रतियोगिता में सचिका ने प्रथम, रतन ने द्वितीय, आर्यन ने तृतीय, कक्षा सातवी कक्षा के छात्रों में हुई प्रतियोगिता में मनीषा ने प्रथम, सोमेश ने द्वितीय व गौरव ने तृतीय स्थान हासिल किया। आठवीं कक्षा के मध्य हुई प्रतियोगिता में तनु ने प्रथम, नीरज ने द्वितीय व इशिका व अभिलाषा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। उप प्राचार्या गीता श्रीवास्तव ने छात्रों को प्राचीन भाषा संस्कृत के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि संस्कृत देवों की भाषा भी कहा जाता है। यह भाषा कई अन्य भाषाओं जैसे हिंदी, तमिल आदि भाषाओं की जननी है।

डैफोडिल्स स्कूल में शनिवार को मैंगों-डे धूमधाम से मनाया गया। स्कूल में बच्चों को फलों का ज्ञान दिया और बच्चों को विस्तार से फलों के राजा आम के बारे में जानकारी दी गई। प्राचार्या अनिता सिंगला ने बताया कि आम हर रूप में पसंद किया जाता है। आम फलों का राजा है और आम का प्रयोग फल की तरह सब्जी के तौर पर किया जाता है।

बलजीत की हत्या करने के दो आरोपी गिरफ्तार

- गत 18 मार्च को गांव गोबिंदपुरा के निकट मिला था बलजीत का शव

जींद। आश्रम बस्ती भिवानी रोड पर करीब एक माह पहले सर्विस स्टेशन चलाने वाले एक्ससर्विसमैन बलजीत फौजी की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए सदर थाना पुलिस ने मामले के दो आरोपियों धर्मवीर पोंकरी खेड़ी व बिजेंद्र जींद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शनिवार को अदालत में डयूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस इस दौरान आरोपियों से मृतक फौजी का पिस्तौल तथा वारदात से संबंधित अन्य पहलुओं की पूरी जानकारी हासिल करेगी। पकड़े गए आरोपी गांव पोंकरी खेड़ी हाल आबाद आश्रम बस्ती जींद निवासी धर्मवीर तथा गुरद्वारा कालोनी निवासी बिजेंद्र ने पुलिस पूछताछ में खुलासा करते हुए बताया कि उनका आश्रम बस्ती निवासी बलजीत फौजी के पास आना जाना था। फाग के दिन जब वे तीनों दोस्त एक साथ शराब पी रहे थे तभी उनके बीच कुछ कहासुनी हो गई। इस पर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई और बाद में बाइक पर उसे गोबिंदपुरा गांव के तालाब के पास शव फैंका गया।

क्या था मामला : आश्रम बस्ती निवासी 40 वर्षीय बलजीत एक्स सर्विसमैन था और घर में नीचे सर्विस स्टेशन चलाए हुए था। जबकि मकान की ऊपरी मंजिल पर उसका परिवार रहता था। फाग के दिन 17 मार्च सोमवार मध्यरात्रि बाइक सवार दो युवक बलजीत को अपने साथ ले गए थे और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी। मंगलवार सुबह बलजीत का शव गांव गोबिंदपुरा तालाब के किनारे पड़ा पाया था। परिजनों ने रात को बाइक पर ले जाने वाले दो अज्ञात युवकों पर हत्या का आरोप लगाया था। सदर थाना पुलिस ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की एक चप्पल रेलवे फाटक के निकट मिली है। जबकि दूसरी तालाब के किनारे पैर के अंगूठे पर खरोंच के निशान थे। नजदीक ही बाइक के टायर के निशान भी मिले हैं। लेकिन मृतक के शरीर पर कोई अन्य चोट के निशान नहीं मिले थे। प्राथमिक दृष्टा से चिकित्सकों ने मृतक के शरीर पर कोई चोट का निशान दिखाई न देने पर अपने वक्तव्य में मौत के कारणों के बारे में कुछ नहीं बताया। जिस पर परिजनों ने सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने से मना कर दिया और परिजनों की मांग पर शव का पोस्टमार्टम पीजीआई रोहतक में कराया गया था। सदर थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस ने बलजीत फौजी हत्याकांड की गुत्थी को सुलझा लिया है। शराब के नशे में हुई कहासुनी को लेकर उसके दो दोस्तों ने गला घोंटकर हत्या की थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपियों से मृतक के लाइसेंसी पिस्टल को बरामद कर गहनता से पूछताछ करेगी।

प्रधान समेत दूसरी महिला पार्षदों के पतियों की नप में एंट्री पर रोक

प्रशासन और पार्षद आमने-सामने

प्रशासन के आदेशों पर भड़के महिला पार्षदों के पति और अन्य परिजन। उपायुक्त और नगराधीश ने कहा एंट्री बैन नहीं केवल काम में दखल पर रोक।

जींद। पत्रकारों से बात करती नगर परिषद प्रधान मुकेश देवी और उनके पति धर्मेंद्र पहलवान तथा अन्य पार्षद।

***दर्पण न्यूज**

जींद। पिछले काफी समय से अपने स्वभाव के उलट शांत तरीके से चल रही जींद नगर परिषद में आखिर भूचाल आ ही गया और इस भूचाल की नींव रखी थी लोकसभा चुनावों के समय नगर नरिषद के ज्यादातर पार्षदों ने ग्रांट नहीं तो वोट भी नहीं की बात की कह कर। इसका नतीजा अब इस रूप में सामने आया है कि जींद प्रशासन ने नगर परिषद के कामकाज में महिला पार्षदों के पतियों और अन्य परिजनों के दखल पर रोक लगाने के साथ-साथ प्रधान मुकेश देवी के पति धर्मेंद्र के नप कार्यालय में बैठने पर रोक लगा दी है। प्रशासन के इन आदेशों पर प्रधान मुकेश देवी के पति धर्मेंद्र और दूसरे कई लोगों, जिनकी पत्नी, मां और नानी पार्षद हैं, भड़कते हुए कहा कि प्रशासन के आदेश तुगलकी फरमान हैं और उनकी नगर परिषद में एंट्री पर कोई बैन नहीं लगा सकता ।

जींद नप कार्यालय में आकर नगराधीश सतबीर सिंह लोहचब ने दो दिन पहले नप अधिकारियों को मौखिक आदेश दिए थे कि नगर परिषद के कामकाज में महिला पार्षदों के पति या अन्य परिजन दखल नहीं देने पाएं। उनके दखल को सहन नहीं किया जाए। इनके अलावा प्रधान मुकेश देवी के पति धर्मेंद्र के अपने साथियों के साथ नप कार्यालय में आकर काम के निर्देश देने और उनके यहां कार्यालय में बैठने पर भी रोक लगाने की बात नगराधीश ने कही थी। इसके लिए जमीन लोकसभा चुनावों के दौरान प्रधान मुकेश के पति धर्मेंद्र और नप के दो दर्जन से ज्यादा पार्षदों ने उस वक्त तैयार कर दी थी जब इन पार्षदों ने यह कहा था कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुडडा ने जींद शहर के विकास के लिए जिस 20 करोड़ रूपए की ग्रांट की घोषणा की थी, उसमें से नगर परिषद को केवल 9 करोड़ की ग्रांट मिली है और ग्रांट को लोक निर्माण विभाग को ट्रांसफर करने के खिलाफ पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। पार्षदों ने कहा था कि ग्रांट नहीं तो वोट नहीं।

इसके बाद ही प्रशासन ने नप के कामकाज में महिला प्रधान मुकेश देवी के पति धर्मेंद्र और अन्य महिला पार्षदों के परिजनों के दखल पर रोक लगाने के निर्देश नप अधिकारियों को दिए हैं। पहले ऐसे निर्देश नहीं दिए गए थे जबकि नपरिषद में प्रधान रही सुदेश देवी के समय से ही महिला पार्षदों के परिजनों का दखल नप के कामकाज में रहता आया है और यह सिलसिला बराबर जारी है।

नगर परिषद के कामकाज में महिला प्रधान मुकेश देवी के पति धर्मेंद्र तथा अन्य महिला पार्षदों के परिजनो के दखल और उनके नप कार्यालय में आकर कर्मचारियों और अधिकारियों से काम करवाने पर रोक के प्रशासन के निर्देशों पर वीरवार को यह लोग भड़क गए।

वीरवार को नप प्रधान मुकेश देवी के निवास पर बुलाए गए पत्रकार सम्मेलन में धर्मेंद्र , महिला पार्षद सुनिता के पति राकेश अरोड़ा, बाला रानी के पति राधेश्याम, कमला के पति अशोक बबली, पतासो के पति सुखबीर, संतोष के पति दलबीर, विद्यावती के बेटे राजेश गौतम के अलावा, पार्षद जिले सिंह जागलान, हरीश अरोड़ा, प्रवीन बेनीवाल , उपप्रधान रमेश खटर , श्यामलाल, हरफूल सैनी आदि ने कहा कि महिला पार्षदों के पतियों और अन्य परिजनों के नगर परिषद में आकर काम करवाने पर प्रशासन की रोक और प्रधान मुकेश देवी के पति के नगर परिषद कार्यालय में आने पर रोक के आदेश प्रशासन का तुगलकी फरमान है। मुकेश देवी के पति धर्मेंद्र पहलवान ने कहा कि उन्होंने किसी भी पार्षद को लोकसभा चुनाव में किसी दल विशेष के लिए काम करने या फिर कांग्रेस के पक्ष में काम करने से मना नहीं किया। उनकी पत्नी मुकेश सर्वसम्मति से नगर परिषद प्रधान चुनी गई थी। उन्हें प्रधान बनाने में कांग्रेस समर्थक 12से ज्यादा पार्षदों के साथ-साथ इनेलो, भाजपा और हजकां के पार्षदों का पूरा सहयोग था। नगर परिषद में दलगत राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। बिना भेदभाव के सभी वार्डों में विकास के काम समान रूप से करवाए जा रहे हैं। अब एक कांग्रेसी पार्षद, जिसे खुद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुडडा ने नकली कांग्रेसी कई पार्षदों के बीच बताया था, के गुमराह करने पर इस तरह के आदेश सरकार के इशारे पर प्रशासन ने जारी किए हैं।

उन्होने कहा कि जिस पार्षद ने मुख्य मंत्री को गुमराह किया है, इसके खुद के वार्ड में कांग्रेस बुरी तरह से हार रही है तथा 16 मई को लोकसभा की मतगणना में उसकी पोल पूरी तरह से खुल जाएगी। विश्वासघात उन्होंने नहीं बल्कि उस पार्षद ने किया है, जो अपने निजी स्वार्थ के लिए सीएम को गुमराह कर रहा है। धर्मेंद्र पहलवान ने इस पार्षद, जो नप का पूर्व प्रधान भी है, को चुनौती दी कि वह उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर दिखाए। नगर परिषद के पार्षद प्रधान मुकेश देवी के साथ हैं और जब तक पार्षदों का समर्थन उनके साथ है, नगर परिषद में उनकी एंट्री कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि जिस दिन पार्षदों का समर्थन मुकेश देवी खो देंगी, उसी दिन वह पद छोड़ देंगी। सभी पार्षदों और महिला पार्षदों के परिजनों ने कहा कि नगर परिषद कार्यालय में उनकी एंट्री कोई नहीं रोक पाएगा। धर्मेंद्र पहलवान ने कहा कि वह अपनी पत्नी मुकेश के साथ उनके लीगल सलाहकार के रूप में नगर परिषद कार्यालय में जाते हैं। किसी एक्ट में एक निर्वाचित प्रतिनिधि के पति या बेटे को उसके कार्यालय में जाने से रोकने का कोई प्रावधान नहीं है।

काम में पारदर्शिता बरतें: डीसी

इस सिलसिले में डीसी राजीव रतन ने नगरपालिका, नगरपरिषद के प्रधानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे नगरपालिका, नगरपरिषद के कार्य को पूरी पारदर्शिता बरतते हुए पूरा करें। अगर किसी नगरपालिका के चुने हुए प्रतिनिधियों के रिश्तेदार दबाव बनाकर नाजायज काम करवाते हैं तो ऐसे व्यक्तियों की सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को दें। उन्होंने कहा है कि किसी भी चुने हुए प्रतिनिधि का रिश्तेदार नगरपालिका, नप कार्यालय में आकर सरकारी काम के लिए दबाव बनाकर हस्तक्षेप नहीं कर सकता। यह गैर कानूनी है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इस प्रकार का यदि कोई मामला पाया जाता है तो सम्बंधित व्यक्ति के साथ-साथ संबंधित नगरपार्षद व संबंधित कर्मचारी भी समान रूप से जिम्मेदार होंगे। किसी व्यक्ति विशेष के निजी कार्य के लिए कार्यालय में आने पर लागू नहीं होंगे।

अफसरों को कराया अवगत

इस मामले में नगराधीश **सतबीर सिंह लोहचब** से बात की गई तो उनका कहना था कि डीसी के निर्देशों से उन्होंने जींद नगर परिषद के अधिकारियों को अवगत करा दिया है। किसी महिला पार्षद के पति या अन्य परिजन के नगर परिषद कार्यालय में आने पर रोक नहीं है लेकिन ऐसा कोई व्यक्ति नगर परिषद के अधिकारियों या कर्मचारियों पर किसी काम के लिए दबाव नहीं डाल पाएगा।

झगड़े में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल

जींद। जींद-सफीदों मार्ग पर स्थित मनोहरपुर गांव में वीरवार देर सायं जमीनी विवाद में बीएसएफ के कर्मचारी पाला राम तथा उसकी पत्नी साहबो देवी पर घर में घुसकर पालाराम के परिवार के लोगों ने ही हमला बोल दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों को सामान्य अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मनोहरपुर गांव के पालराम ने बताया कि वह बीएसएफ में तैनात है तथा कुछ दिन के लिए अपने गांव में छुट्टी पर आया हुआ था। वीरवार सायं जब वह अपनी पत्नी साहबो देवी के साथ घर में बैठा हुआ था तो उसके ही परिवार के कुछ लोगों ने दोनों पर लाठियों और दूसरे हथियारों से हमला बोल दिया। इसमें पालाराम के सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों पर काफी चोटें आई। उसकी पत्नी साहबो देवी को भी डंडों से बुरी तरह पीटा गया। पालाराम को आसपास के लोगों ने किसी तरह से आकर हमलावरों से बचाया। उसे खून से लथपथ हालत में वीरवार रात जींद के सामान्य अस्पताल में दाखिल करवाया गया। उसकी पत्नी साहबो देवी को भी सामान्य अस्पताल में दाखिल करवाया गया।

जींद। घायल बीएसएफ का कर्मचारी पालाराम और उसकी पत्नी सामान्य अस्पताल में उपचाराधीन। फोटो : राजेश कुमार

सदर थाना पुलिस को इस मामले की सूचना मिलने पर पुलिस जांच के लिए सामान्य अस्पताल पहुंची और उसने घायल पालाराम तथा उसकी पत्नी साहबो देवी के बयान दर्ज किए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पालाराम के अनुसार जब उसके परिवार के लोगों ने उस पर और उसकी पत्नी पर हमला बोला तो उन्हें बचाने के लिए कोई नहीं आया। उनके शोर मचाने पर बाद में कुछ लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें किसी तरह बचाया। अगर यह लोग बचाव में नहीं आते तो उनकी जान जा सकती थी।

मनमोहा

जींद। ब्लू बर्ड मान्टेसरी हाई स्कूल में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए छात्र। फोटो : राजेश कुमार

अधिकारियों ने किया मंडियों का दौरा, खरीद एजेंसियों को दिए निर्देश

गेहूं की खरीद की रोज देनी होगी रिपोर्ट

जींद। उपायुक्त राजीव रतन ने बताया कि चालू रबी के मौसम में जिला के किसानों को अनाज मंडियों व अन्न खरीद केंद्रों में अपनी फसल बेचने के कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। वरिष्ठ अधिकारियों को मंडियां आवंटित की गई है। अधिकारी मंडियों में जाकर खरीद कार्य की व्यवस्था देखेंगें और हर रोज शाम को अपनी रिपोर्ट देंगे। अधिकारियों से प्राप्त रिपोर्ट को संकलित कर हर रोज खाद्य एंव आपूर्ति विभाग के प्रधान सचिव के पास भेजा जाएगा। उपायुक्त स्वयं भी मंडियों का दौरा कर खरीद कार्य की नियमित रूप से समीक्षा करते रहेंगे।

खरीद कार्य होगा व्यवस्थित : अतिरिक्त उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य को जुलाना, शामलों कलां, फतेहगढ़ तथा खरकाराम जी में गेहूं खरीद कार्य को व्यवस्थित तरीके से करवाने का दायित्व सौंपा गया है। जींद की एसडीएम अमृता सिवाच राजपुरा पैण, अलेवा तथा जींद अनाज मंडी में गेहूं खरीद कार्य को व्यवस्थित तरीके से करवाएंगी। इसी प्रकार सफीदों के एसडीएम प्रेम चंद गांगले मुआना, डिडवाडा, हाट, सिवानामाल, ऐंचराकलां, पिछुखेड़ा तथा सफीदों अनाज मंडी में गेहूं खरीद कार्य पर नजर रखेंगे। नरवाना के एसडीएम भाल सिंह बिश्नोई धमताल, धनौरी, खरल, गढ़ी, बरटा, बेलरखां, दनीदाकलां, फैरणकलां, मंगलपुर, फुलियांकलां तथा नरवाना अनाज मंडी में गेहूं के खरीद कार्य को देखेंगें। जिला राजस्व अधिकारी अमीचंद सैनी को उचाना, नगूरां, घोघडिया, ढाठरथ तथा सुदकैन खुर्द, अन्न खरीद केंद्र में गेहूं खरीद के कार्य को सही तरीके से करवाने का दायित्व सौंपा गया है।

नजर रखेंगे अधिकारी : उपायुक्त ने बताया कि अधिकारी आवंटित की गई मंडियों में गेहूं खरीद से संबंधित सभी प्रकार की व्यवस्थाओं पर नजर रखेंगे। खरीद एजेंसियों के कार्य की समीक्षा करते रहेंगे। खरीदी गई गेहूं के उठान को भी सुनिश्चित करते रहेंगे ताकि मंडियों में आने वाले गेहूं के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होती रहे। बारिश या मौसम खराब होने की सूरत में आढतियों के पास पर्याप्त तिरपाल इत्यादि की उपलब्ध सुनिश्चित करेंगे। मंडियों में सफाई, पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था को भी सुनिश्चित करेंगें।

उठान कार्य में पारदर्शी रखें : गेहूं की खरीद कार्य को लेकर हरियाणा के मुख्य सचिव द्वारा उपायुक्त के नाम जारी किए गए अर्धसरकारी पत्र का हवाला देते हुए उपायुक्त राजीव रतन ने बताया कि मंडियों में खरीद गई गेहूं के उठान कार्य पर नजर रखी जा रही है ताकि ट्रांसपोर्ट ठेकेदार कमीशन एजेंटो के साथ मिलीभगत कर उठान कार्य में जरूरतमंद परिवारों को अनाज से वंचित किया है वहीं दूसरी ओर लाखों क्विंटल अनाज को सड़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु और मौसम में आए बड़े परिवर्तन अब कोई नई बात नहीं रहे हैं।

फिर भी मंडियों में अनाज के सुरक्षित रखरखाव की व्यवस्था नहीं किया जाना पूरी तरह से एक आपराधिक विफलता कही जायेगी। उन्होंने मांग की कि अनाज की बर्बादी की उच्च स्तरीय जांच करके दोषी अधिकारियों को दंडित किया जाए। मंडियों में रबी फसल की खरीद की समुचित व्यवस्था हो। गेहूं पर राज्य सरकार बोनस दे और राशन डिपो के माध्यम से नियमानुसार 35 किलो गेहूं प्रति माह दो रुपये किलो की दर से दी जाए।

गढ़वाली न कर सके। उन्होंने खरीद एजेंसियों को भी निर्देश दिए है कि वे उठान कार्य में पूर्णत्या पारदर्शी रखें और बारी के हिसाब से गेहूं का उठान पूरा करें।

मापका ने जताया गेहूं की दुर्दशा पर रोष

जींद। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रदेशभर में गेहूं की दुर्दशा के लिए सरकारी स्तर पर की जा रही लापरवाही पर रोष जताया। मापका राज्य सचिव इंद्रजीत सिंह ने कहा है कि बरसात के चलते प्रदेश की विभिन्न अनाज मंडियों में किसानों के नये गेहूं की बर्बादी अपने आप में घोर निंदा का विषय है। इसके अतिरिक्त प्रदेश भर में अनेक स्थानों पर अनाज के गोदामों में गेहूं के सड़ने की खबरें भी दर्शा रही है कि यह बर्बादी गंभीर कुप्रबंधन की वजह से हो रही है।

उन्होंने कहा कि एक ओर तो हरियाणा सरकार ने खाद्य सुरक्षा कानून में प्रतिगामी संशोधन करके 35 किलो प्रति परिवार की बजाये 5 किलो प्रति व्यक्ति करके अनेक

गायब बालक का शव तालाब से बरामद

तांत्रिक क्रिया के लिए अपहरण का आरोप

जींद। मृत बालक के शव के पोस्टमार्टम को लेकर कार्रवाई करते पुलिसकर्मी।

जींद। गांव लोहचब से संदिग्ध परिस्थितियों में वीरवार को गायब हुए बालक का शव गांव स्थित तालाब से बरामद हुआ है। शव की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई । पुलिस ने मृतक बालक के शव का सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। गांव लोहचब निवासी समीर (5) वीरवार को संदिग्ध परिस्थितियों के चलते गायब हो गया था। समीर की परिजनों ने आसपास तथा रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। परिजनों द्वारा किसी तांत्रिक क्रिया के चलते समीर के अपहरण होने का शक जताया था। जिस पर पुलिस ने रात को गांव में तलाशी अभियान भी चलाया लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। शुक्रवार सुबह समीर का शव गांव स्थित तालाब में तैरता पाया गया।

पुलिस ने मृतक के शव का सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है।

एंज्वॉयमेंट-अर्निंग विद लर्निंग

एग्जाम्स के बाद समर वेकेशंस में मौज-मस्ती के साथ अगर कुछ कमाई और नया सीखने का अवसर भी मिल जाए, तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है? यही वजह है कि आज बहुत से यंगस्टर्स छुट्टियों में समर जॉब करने को प्राथमिकता देते हैं। आप भी इन छुट्टियों का सदुपयोग समर ट्रेनिंग या समर जॉब के रूप में कर सकते हैं।

समर जॉब

आज की युवा पीढ़ी इतनी जिम्मेदार और महत्वाकांक्षी है कि उसे अपनी प्राथमिकताएं अच्छी तरह पता हैं। वह समर ब्रेक का पूरा-पूरा फायदा उठाना जानती है। वह समर-जॉब से नए तजुर्बे और कमाई के अलावा, नई चुनौतियों से जूझने की क्षमता विकसित करने का मौका भी गंवाना नहीं चाहती है। आज इसमें भी कई सारे ऑप्शन मौजूद हैं।

क्वालिफिकेशन एंड ट्रेट्स

हर जॉब के हिसाब से योग्यताएं अलग होती हैं, लेकिन कुछ सामान्य योग्यताएं ऐसी होती हैं, जो हर जॉब के लिए जरूरी हैं। मसलन, युवाओं में टीमवर्क का होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, कम्युनिकेशन स्किल का होना बहुत जरूरी है। समर जॉब्स के लिए युवाओं की हिंदी-अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ भी होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर फ्रेंडली तो होना ही चाहिए।

कहां तलाशें समर जॉब

आप जिस शहर में हैं, वहां के रेस्तरां चेन में काउंटर ब्वॉयज/गर्ल्स के अलावा, बड़े-बड़े मॉल्स में सेल्स ब्वॉयज/गर्ल्स और कॉल सेंटर में मेहनती युवाओं की डिमांड बहुत होती है। सर्वे कंपनियों, ब्यूटी प्रोडक्ट बेचने वाली कंपनियों और मल्टीनेशनल बैंकों में स्कीमों को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए भी युवाओं की आवश्यकता होती है। समर जॉब टेंपरेरी होती है। हालांकि आपकी रुचि, परफॉर्मेंस और कंपनी की जरूरत के आधार पर यह स्थाई भी हो सकती है।

किसपे करें कॉन्टेक्ट

अगर आप किसी रेस्तरां में समर जॉब करना चाहते हैं, तो सीधे वहां के मैनेजर या इंचार्ज से मिलें और अपना बायोडाटा दें। काल सेंटर्स, फाइनेंस कंपनियों, बैंकों, सर्वे कंपनियों में एग्जक्यूटिव के लिए आप अखबारों के एंप्लॉयमेंट कॉलम पर जरूर नजर रखें।

वर्किंग ऑवर्स

अममून समर जॉब में वर्किंग ऑवर्स युवाओं की सुविधानुसार ही रहता है। अगर आप रेस्टोरेंट वगैरह में काम करते हैं, तो वहां शैलरी आमतौर पर घंटे के बेस पर दी जाती है। फाइनेंस सेक्टर, कॉल सेंटर में घंटे और शिफ्ट बेस पर काम दिया जाता है।

इनकम

समर जॉब में कम से कम तीन से चार हजार रुपए आसानी से कमाए जा सकते हैं और अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। व्यापारिक मेलों में उत्पाद प्रदर्शन के लिए लड़के-लड़कियों को 300 से 1000 हजार रुपए प्रतिदिन भुगतान किए जाते हैं। वैसे, आपकी परफॉर्मेंस के आधार पर यह रकम कम या ज्यादा हो सकती है।

कई तरह से बेनिफिशियल

समर जॉब करने से एक फायदा यह है कि खाली समय में काम करने से आपकी नेटवर्किंग भी बढ़ती है। समर जॉब हंट के दौरान आप कई लोगों से मिलते हैं। उनसे कॉन्टेक्ट बनते हैं, जो आगे चलकर आपके बहुत काम आ सकते हैं। इसके अलावा, अगर आप इंजीनियरिंग स्ट्रीम से जुड़े हैं या मैनेजमेंट के क्षेत्र में हों और आपको अपने पसंदीदा फील्ड की जानकारी प्राप्त करने के लिए दो महीने की पार्टटाइम समर जॉब लग जाती है, तब यह आपके लिए स्वयं का आत्मविश्वास बढ़ाने का सबसे अच्छा मौका हो सकता है। इसके जरिए आपको यह पता भी चल जाता है कि जॉब के मायने क्या हैं? जॉब करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

कुछ खास बातें

- ✓ अपनी पसंद का समर जॉब पाने की दिशा में सबसे पहला कदम है, अपनी दिलचस्पी का एरिया खोज निकालना।
- ✓ इसके बाद रिसर्च कीजिए। अखबार, पत्रिकाओं या इंटरनेट की मदद से संबंधित क्षेत्र की तमाम जानकारी इकट्ठा कीजिए।
- ✓ छोटे बिजनेस यूनिट, मॉल्स, कॉल सेंटर, समर कैंप, फास्टफूड चेन्स और वीडियो लाइब्रेरी में समर जॉब मिलने की संभावना रहती है।
- ✓ रिसर्च करने और मौका तलाशने के बाद, अपना अच्छा सा सीवी और असरदार कवर लैटर तैयार कीजिए और उसे नियोक्ता कंपनी के पास भेज दीजिए।
- ✓ सीवी रवाना करने के साथ ही इंटरव्यू की तैयारी में जुट जाइए। इंटरव्यू के दौरान ईमानदारी से अपनी रुचियों, हुनर और पिछले समर-जॉब के बारे में बताइए।
- ✓ इंटरव्यू देने के बाद नियमित इसका फॉलो-अप जरूर कीजिए।
- ✓ ज्वॉइन करने से पहले इस जॉब से अपनी अपेक्षाओं का विश्लेषण करें। सुनिश्चित करें कि इस काम से आपको पूरी संतुष्टि मिले।
- ✓ समर जॉब पूरा होने पर नियोक्ता से अनुभव प्रमाण पत्र अवश्य लें। इससे आपको संबंधित क्षेत्र में करियर बनाने में काफी मदद मिलेगी।

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट
करियर करें सिक्योर

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट का मकसद आपदा, दुर्घटना और उससे लगने वाली चोटें और नुकसान को कम करना होता है। बढ़ते इंडस्ट्रिलाइजेशन के साथ ही, इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट ने एक जरूरी करियर ऑप्शन के रूप में अपनी जगह बना ली है। इससे जुड़े कोर्सेज करके आप भी अपना करियर सिक्योर कर सकते हैं। कैसे, जानिए।

उन्नीसवीं सदी में औद्योगिक क्रांति के आगमन के साथ ही औद्योगिक सुरक्षा की शुरुआत हुई। 1850 से 1900 के बीच ज्यादातर औद्योगिक देशों ने कारखानों में कार्यरत श्रमिकों के लिए कार्य के घंटे निर्धारित किए। साथ ही, दुर्घटनाओं के मुआवजे से संबंधित कानून बनाए गए। भारत सरकार ने औद्योगिक इकाईयों के लिए कारखाना अधिनियम 1948 बनाया, ताकि औद्योगिक संस्था बेहतर ढंग से काम कर सकें। होने वाली दुर्घटना से जान-माल की हिफाजत हो सके। इसीलिए इस फील्ड में करियर के अच्छे ऑप्शन हैं।

प्रमुख संस्थान

- ✓ इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली वेबसाइट- www.ignou.ac.in
- ✓ दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, नई दिल्ली वेबसाइट- www.dife.in
- ✓ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट, पुणे वेबसाइट- www.iism.in
- ✓ इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट एंड फायर सेफ्टी, मोहाली, वेबसाइट- www.idmfs.in
- ✓ नेशनल सेफ्टी काउंसिल ऑफ इंडिया, नवी मुंबई वेबसाइट- www.nsc.org.in

पर्सनल स्किल

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट में डिग्री-डिप्लोमा होल्डर्स को सुरक्षा के चुनियादी सिद्धांतों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। लेटेस्ट डेवलपमेंट के बारे में जानकारी रखना भी आवश्यक है। जरूरत पड़ने पर तुरंत और सही निर्णय लेने की क्षमता, पैनी निगाह और सुरक्षा व्यवस्था में होने वाली चूक को भांपने और रोकने की क्षमता भी होनी चाहिए। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना भी जरूरी है।

एलिजिबिलिटीज एंड कोर्स

जो यंगस्टर्स इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़ना चाहते हैं, उन्हें संबंधित कोर्स में ग्रेजुएशन, पीजी, सर्टिफिकेट या डिप्लोमा करना जरूरी है। इस कोर्स में इंजीनियरिंग कंट्रोल और एप्लिकेशन, एटॉमिक एनर्जी संयंत्र, पेट्रोलियम इंडस्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आपात स्थिति पर नियंत्रण करना, औद्योगिक उपकरणों की निगरानी करना, मेडिकल विजिलेंस, चोट, नुकसान और जानलेवा स्थितियों को रोकना, खराब उपकरणों को सूची बनाना इत्यादि को जानना-समझना पड़ता है। औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और डिग्री जैसे कोर्स उपलब्ध हैं। वैसे तो इंजीनियरिंग के छात्रों को प्राथमिकता मिलती है, लेकिन कुछ संस्थानों में 12वीं पास स्टूडेंट्स भी सर्टिफिकेट और डिप्लोमा जैसे कोर्स कर सकते हैं।

जॉब्स ऑप्शन

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग के डायरेक्टर कैप्टन कृष्ण कुमार के मुताबिक, इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर, सिस्टम सेफ्टी इंजीनियर, कंस्ट्रक्शन सेफ्टी इंजीनियर, रिस्क मैनेजमेंट, कंसल्टेंट, ट्रांस्पोरटेशन,

सेफ्टी सुपरवाइजर, इंडस्ट्रियल हाइजीन मैनेजर, एन्वॉयरमेंट सेफ्टी मैनेजर, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन, हेल्थ एक्सपर्ट्स जैसे पदों पर नियुक्ति मिल सकती है। इसके अलावा, रिलीफ एजेंसीज, एनजीओ, यूनाइटेड नेशंस, सिविल सर्वेंट्स, सिविल इंजीनियर, पुलिस एंव डिफेंस, रिहैबिलिटेशन वर्कर्स के बतौर काम कर सकते हैं।

वेतनमान

इस कोर्स को करने के बाद यह देखना होता है कि आप किस पद पर और किस संस्थान से जुड़े हैं। आपने डिग्री किया है या डिप्लोमा होल्डर हैं, उसी के अनुसार सैलरी तय होती है। 10 हजार रुपए से लेकर 1 लाख रुपए तक की सैलरी मिल सकती है। जैसे-जैसे एक्सपीरियंस बढ़ता जाता है, सैलरी में भी बढ़ोत्तरी होती जाती है।

DARPAN COLLEGE
Best way for Higher Education
DARPAN COLLEGE
Authorised Information Centre of Universities
UGC-DEC-AICTE Recognised University Courses

Research Courses	Management Courses	Information Technology	Master Degree Courses
Ph.D. M.Phil. (All Subjects)	MBA BBA	DCA, BCA, PGDCA M.Sc.(IT), MCA	MA,M.Sc. (All Subjects) M.Com.,MSW
Traditional Courses	Engineering Courses	Education & Library	Patramedical & Yoga
BA, B.Com. B.Sc., BSW	B.Tech., M.Tech. Diploma in Engg.	B.ED., M.ED. B.Lib. M.Lib.	CMLT, DMLT, BMLT, MMLT DPT, BPT, MPT, DDT All Yoga Courses

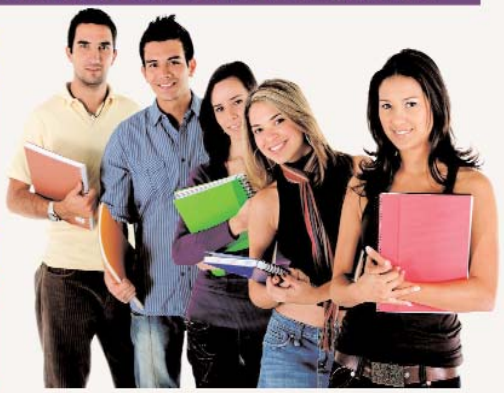

Contact for Admission Guidence of LLB and LLM
सरकारी कर्मचारी डिस्टेंस से अपनी शिक्षा बढ़ाएं, सभी कोर्स हरियाणा में मान्य
JIND ROHTAK SONIPAT
Mobile : 08607855300,08607858800, E-mail : darpanjind@gmail.com

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक राजेश्वर लाठर ने अपने सर्वाधिकार से गंगापुत्रा प्रिंटर्ज, रेलवे रोड, जींद (हरियाणा) से छपवाकर कार्यालय नौकरी दर्पण, 1935, अर्बन स्टेट, जींद(हरियाणा)-126102 से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जींद (हरियाणा) होगा। संपादक : राजेश्वर लाठर* * पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी।
आर.एन.आई नं. HARHIN/2008/26946 मोबाइल : 09813419300